श्री नरेंद्र मोदी जी

भारत के माननीय प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री कार्यालय, साउथ ब्लॉक

रायसीना हिल्स, नई दिल्ली-110011

मणिपुर हिंसा पर शांति स्थापित करने हेतु अपील।

माननीय प्रधानमंत्री जी,

हम शिक्षा मंत्रालय के विशेष पहल पर "**एक भारत श्रेष्ठ भारत**" के अंतर्गत पूर्वोत्तर भारत को मध्य भारत से सांस्कृतिक रूप से जोड़ने के लिए आयोजित "**युवा संगम**" कार्यक्रम के अंतर्गत आईआईटी इंदौर के मार्गदर्शन में 6 दिवसीय(28 मार्च से 2 अप्रैल) मणिपुर भ्रमण करने वाले मध्यप्रदेश के हम 49 युवा प्रतिनिधिमंडल है।

महोदय हम आपका ध्यान मणिपुर हिंसा की ओर अग्रसित करना चाहते हैं। विगत 50 दिनों से मणिपुर भयावह दंगों, हिंसा आगजनी से झुलस रहा है। अनेकों लोगों की दुखद मृत्यु, हजारों लोगों के घायल होने व बड़ी संख्या में लोगों के विस्थापित होने से हम उतना ही व्यथित और चिंतित है जितना इस हिंसा में प्रभावित होने वाले लोग हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी, अपनी यात्रा के दौरान हमने जिस असीम सुंदरता और सांस्कृतिक वैभवता वाले मणिपुर को अपनी आंखों से देखा था तथा हृदय से वहां की पवित्र मिट्टी को अनुभव किया था आज वह हिंसा से विकृत सा हो गया है। सामाजिक सद्भाव वाले सुदूर पूर्वोत्तर के उस कोने में हमने अपनत्व असीम प्रेम और भाईचारे का भाव अनुभव किया था। हमने वहां सिर्फ घूमा ही नहीं अपितु वहां के मैतेई , कुकी समुदाय से आत्मीय रूप से जुड़े भी। मणिपुर में हमें जिस तरह से प्यार और सम्मान दिया गया वह आज भी हमारी स्मृति में जीवित है। मणिपुर भ्रमण के दौरान हमने वहां के 5 जिलों के अनेक लोकप्रिय पर्यटन स्थलों ,ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व के सुंदर स्थानों, प्रतिष्ठानों, गावों, शहरों यहां तक की जंगलों का भी दौरा किया। गांव के प्यारे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ईमा मार्केट और लोकतक झील के आसपास अपनी टोकरी में हंसते हुए सामान बेचने वाली माताओं से अनेक राज्याधिकारियों सहित आज हिंसाग्रस्त काकचिंग और चुराचांदपुर जिलों के सभी वर्गों के लोगों से पारिवारिक जनों की भांति आत्मीयता के साथ मिले। उनके खान-पान, रीति-रिवाज,नृत्य-गान कला और संस्कृति के हर पहलू से अवगत हुए। अल्प समय में ही वहां की मिट्टी से जुड़कर उनके सुख-दुख के भागी बने। उनकी समस्याओं, चिंताओं और चुनौतियां को समझा और अनुभव किया। जिस शांत और हंसते मुस्कुराते मणिपुर को हमने छोड़ा था आज वह वीरान सा लगता है। मणिपुर के वह हमारे मित्र जिनसे हमारे अटूट संबंध बन गए हैं जब हमें मीडिया एवम् समाचार पत्रों के माध्यम से वहां की स्थिति से अवगत कराते हैं तो हमें बेहद पीड़ा होती है और हम केवल सहानुभूति ही व्यक्त कर पाते हैं। केवल हम ही नहीं पूरा भारत वहां की स्थिति से दुखित होकर शांति की कामना करता है।

माननीय प्रधानमंत्री जी अपनी अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विरासत वाले और आतिथ्य सत्कार के लिए प्रसिद्ध मणियों की वह भूमि हमारी ओर शांति और रक्षा के लिए आस लगाए हुए हैं।

वर्तमान स्थिति के दृष्टिगत वहां शांति स्थापित करना बहुत ही चुनौती पूर्ण है किंतु हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके नेतृत्व में शीघ्र ही मणिपुर में शांति स्थापित होगी।

माननीय प्रधानमंत्री जी! हम सब इस खुले एवम् संयुक्त पत्र के माध्यम से आपसे मणिपुर में शांति की बहाली के लिए आग्रह करते हैं और आशा करते हैं कि आप अतिशीघ्र ही इस संबंध में ठोस कदम उठाएंगे।

धन्यवाद।

मणिपुर में शांति स्थापना की अपील के साथ

युवा संगम प्रतिनिधि मध्य प्रदेश

1.Kartik Bachhad

2.Sonu Singh Maravi

3. Medha Brahmbhatt

4. Anant Khatri

5. Sanaya Nayak

6. Trishu Singh

7. Jayesh Tiwari

8. Gauri Mishra

9. Aditi Joshi

10. Nupur Bishnoi

11. Rahul Sindal

12.Nupur Soni

13. Shubham Shukla

14. Divyanshi Gautam

15.Utkarsh Dubey

16. Sayan Doloi

17.Abhishek Bishnoi

18.Vinod Kumar Sahu

19.Arun Kumar Mourya

20 Siddhi Anoop Sharma

21 Sudipta Sarkar

22.Anurag Mishra

23. Chanchal Patel

24. Sanjay Kumar Tripathi

25. Sainjali Nayak

26. Jagrati Mehra

27. Navneet Redhu

28.Himanshi Sharma

29.Shivani Sahu

30.Siddhartha Singh Shaktawat

31.Swati Vyas

32.Sathvik Boorgu

33.Abhay Dixit

34.Palash Praveen

35.Shaili Tomar

36.Priya Sharma

37.Pratishtha Jaiswal

38.Shivam Upadhyay

39.Dhruv Singhal

40.Komal Pathak

41.Shraddha Pathak

42.Shivam Mishra

43.Meenakshi Vyas

44.Himanshu Dwivedi

45.Ayushi Sharma

46.Gourav Pathariya

47.Suman Jat

48 Sahil Kalra

49 Moupia Mukherjee